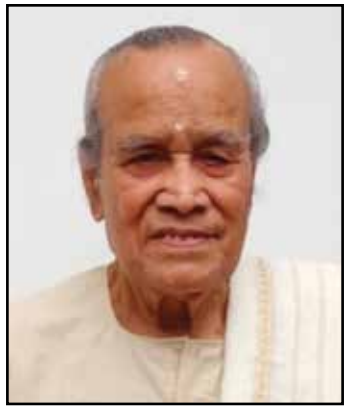

श्री हरि बोरा बोरबायन

संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कारः
सत्रिय

असम के उत्तरी लखीमपुर में 23 अप्रैल 1931 को जन्मे, श्री हरि बोरा बोरबायन ने मणिराम बोरबायन, परमानंद बोरबायन, देबानंद बोरबायन और बोरग्राम बोरबायन जैसे गुरुओं से सत्रिय नृत्य और संबद्ध कलाओं का प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

श्री हरि बोरा बोरबायन आज सत्रिय नृत्य के वरिष्ठ कलाकारों और शिक्षकों में शुमार किए जाते हैं। आपने देश भर के कई प्रतिष्ठित नृत्य समारोहों में बड़े पैमाने पर अपनी प्रस्तुतियाँ दी है, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का संचालन किया है। आपने भाओना में अभिनय किया है और रूक्माबीर, परशुराम और दशरथ जैसी महत्वपूर्ण भूमिकाएँ की हैं। एक प्रसिद्ध गुरु होने के नाते, आपने पिछले छह दशकों में "गुरु–शिष्य परम्परा" के तहत पूरे असम में 2000 से अधिक शिष्यों को सिखाया है। श्री हरि बोरा बोरबायन ने संगीत विद्यालय, गुवाहाटी और सांस्कृतिक केन्द्र, बारपेटा सहित विभिन्न संस्थानों में कला का प्रशिक्षण भी दिया है। आपको कमलाबाड़ी सत्र द्वारा बोरबायन की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

सत्रिय नृत्य में योगदान के लिए श्री हरि बोरा बोरबायन को संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

HARI BORA BORBAYAN

Sangeet Natak Akademi Amrit Award:
Sattriya

Born on 23 April 1931 in North Lakhimpur, Assam, Shri Hari Bora Borbayan received his training in Sattriya dance and its allied forms under Gurus Moniram Borbayan, Poramananda Borbayan, Debananda Borbayan and Borgram Borbayan.

Shri Hari Bora Borbayan is today among the senior performers and teachers of Sattriya dance. He has performed and conducted seminars and workshops extensively at several prestigious festivals across the country. He has acted in important roles such as Rookmabir, Parasuram and Dasharatha in Bhaonas. Being one of the well-known gurus, he has taught more than 2000 disciples all over Assam under "Guru-Shishya Pramapara" in the last six decades. Shri Hari Bora Borbayan has also imparted training in the art form at various institutions including Sangeet Vidyalaya, Guwahati, and Cultural Centre, Barpeta. Shri Hari Bora Borbayan has been conferred the Borbayan title by the Kamalabari Sattra.

Shri Hari Bora Borbayan receives the Sangeet Natak Akademi Amrit Award for his contribution to Sattriya dance.